हिन्दी विभाग

Course Outcomes

P.G.

Programmee Specific outcomes

1– भाषा का व्यवस्थित और यथोचित ज्ञान विकसित करना।
2– भाषा के भौगोलिक विस्तार का अध्ययन।
3– साहित्य के अध्ययन से सामाजिक व नैतिक मूल्यों का विकास।
4– सृजनात्मक व लेखन कौषल का निर्माण।
5– गद्य की विभिन्न विधाओं का अनुषीलन।
6– साहित्य की समकालीन प्रासंगिकता का अध्ययन।

Course Outcomes

❖ एम.ए. प्रथम सेमेस्टर– हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र प्रथम आदिकालीन एवं निर्गुण काव्यं)

- साहित्य का इतिहास लेखन तथा उसकी परंपरा का अध्ययन करना।
- आदिकालीन प्रमुख कवियों एवं उनके साहित्य का अध्ययन करना।
- निर्गुण काव्यधारा की विषेषेताओं का अध्ययन करना।
- भारतीय संस्कृति के उत्थान में भक्तिकाल के योगदान का अध्ययन करना।

❖ एम.ए. प्रथम सेमेस्टर– हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र द्वितीय– सगुण एवं रीतिकालीन काव्य)

- भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि का अध्ययन कराना।
- भारतीय संस्कृति के उत्थान में भक्तिकाल के योगदान का अध्ययन कराना।
- रीतिकालीन काव्य व कवियों का अध्ययन करना।
- रीतिकालीन दरबारी परंपरा से परिचित कराना।

❖ एम. ए .प्रथम सेमेस्टर हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र तृतीय– भारतीय काव्यषास्त्र)

- भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय कराना।
- समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
- साहित्य सृजन आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।

❖ एम.ए. प्रथम सेमेस्टर– हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र चतुर्थ– हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरम्भ व काल विभाजन का अध्ययन करेंगे।
- नाथ, साहित्य, सिद्ध साहित्य, रासो साहित्य का अध्ययन व नाथों व सिद्धों का जनसामान्य पर प्रभाव का अध्ययन।
- भक्तिकालीन कवियों के काव्य में समाज सुधार की भावनाओं का अध्ययन करेंगे।
- मध्यकालीन, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिस्थितियों का परिचय कराना।

❖ एम .ए. द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी साहित्य(प्रश्न पत्र पंचम– आधुनिक हिंदी काव्य छायावाद तक)

- आधुनिक काव्य की परंपरा का अध्ययन।
- जीवन मूल्यों के प्रति आस्था उत्पन्न करना।
- आधुनिक हिन्दी काव्य के कवियों एवं उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
- वैचारिक क्षमता को बढावा देना।

❖ एम .ए. द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र षष्ठ– पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

- भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय कराना।
- समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
- साहित्य सृजन आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।

❖ एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर – हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र सप्तम– हिन्दी साहित्य का इतिहास– आधुनिक काल)

- आधुनिक हिन्दी साहित्य की परंपरा के विषय में सीखेंगे।
- स्वतन्त्रता पूर्व (आधुनिक काल) भारतीय समाज की स्थिति का अध्ययन करेंगे।
- भारतेन्दु युगीन, द्विवेदी युगीन, प्रगतिवादी, प्रयोगवादी कवियों के काव्य का अध्ययन कर छात्रों में राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करना।
- गद्य विधाओं का अध्ययन कर अभिनय कौशल व लेखन कला को विकसित करना।

❖ एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर– हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र अष्टम– हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य)

- गद्य की विधाओं का अध्ययन कर छात्रों के जीवन मूल्यों को विकसित करना।
- एकांकी के माध्यम से रंगमंच के महत्व को विकसित करना।
- उपन्यास का अध्ययन कर मध्यमवर्गीय समाज की स्थिति चित्रण का अध्ययन करना।
- उपन्यास, नाटक, एकांकी के माध्यम से समय–समय पर समाज की आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक स्थिति से परिचित कराना।

❖ एम.ए. तृतीय सेमेस्टर –(हिन्दी साहित्य प्रश्न पत्र नवम आधुनिक हिन्दी काव्य छायावादोत्तर)

- छायावादोत्तर हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि का अध्ययन
- काव्यास्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास करना
- छात्रों में कविता के प्रति रूचि निर्माण करना।

❖ एम.ए. तृतीय सेमेस्टर –हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र दशम –भाषा विज्ञान)

- प्राचीन भारतीय भाषाओं से परिचित कराना।
- हिन्दी भाषा के भौगोलिक विस्तार का अध्ययन कराना।
- अलग–अलग प्रदेशों में बोली जाने वाली हिन्दी भाषा की बोलियों का अध्ययन करना।
- संचार माध्यमों के व्यवहारिक ज्ञान को विकसित करना।

❖ एम.ए. तृतीय सेमेस्टर – हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र एकादश– निबन्ध एवं स्मारक साहित्य)

- गद्य विधाओं का अध्ययन कर छात्रों की आकलन क्षमता को विकसित करना।
- स्मारक साहित्य का अध्ययन कर लेखन कौशल विकसित करना।
- निबन्धों का अध्ययन कर व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना।
- छात्रों की वैचारिक क्षमता को बढाना।

❖ एम.ए. तृतीय सेमेस्टर – हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र द्वादश– हिन्दी भाषा)

- प्राचीन भारतीय भाषाओं से परिचित कराना।
- हिन्दी भाषा के भौगोलिक विस्तार का अध्ययन कराना।
- अलग–अलग प्रदेशों में बोली जाने वाली हिन्दी भाषा की बोलियों का अध्ययन करना।
- संचार माध्यमों के व्यवहारिक ज्ञान को विकसित करना।

❖ एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर – हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र त्रयोदश– उत्तराखण्ड के हिन्दी कवि)

- उत्तराखण्ड के हिन्दी कवियों का अध्ययन।
- कविताओं के माध्यम से उत्तराखण्ड की संस्कृति से परिचित कराना।
- कविताओं के माध्यम से उत्तराखण्ड की तत्कालीन राजनैतिक सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन।

❖ एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर – हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र चतुर्दश– लोक साहित्य)

- लोक शब्द व लोक साहित्य का वास्तविक अर्थज्ञान विकसित करना।
- विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित लोक–गाथाओं का अध्ययन करना।
- लोक नाटकों का अध्ययन कर विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति से परिचित कराना।
- भाषा में पहेलियों लोकोक्तियों के महत्व की जानकारी प्रदान करना।

❖ एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर – हिन्दी साहित्य (प्रश्न पत्र पंचदश कबीरदास)

- कबीरदास के जीवन परिचय वृत्त एवं रचनाओं से परिचित कराना।
- कबीर ग्रथावली का अध्ययन से तत्कालीन सामाजिक स्थिति से परिचित कराना।
- तत्कालीन समाज की धार्मिक स्थिति से परिचित कराना।
- कबीर के काव्य की समकालीन प्रासंगिकता का अध्ययन।